□□□□ □□□□□
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

□□□ □□□
अतारांकित प्रश्न □ख□□: 3950
19 □□□, 2021 □□ □□□□□□□□□□प्रश्न □□ □त्त□

विश्व कुष्ठ दिवस

3950. श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
श्री सुनील दत्तात्रेय □□□□□:
□□. □□□□ □□□□□□ □□□□□:
श्री डी.एन.वी. सथेलकुमार एस:
□□. □□□□ □□□□□□ □□□□□:
श्री □□□□□□ □□□ □□□:

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही म विश्व कुष्ठ दिवस मनाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस आयोजन का थीम क्या था तथा इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या पहल की गई है;

(ख) क्या देश म शुरू किए गए राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कायक्रम के अंतगत कुष्ठ उन्मूलन म प्रगति की रफ्तार धीमी है और यदि हां, तो इसके क्या कारण ह;

(ग) देश म कुष्ठ के मरीजों की अनुमानित संख्या राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार कितनी है;

(घ) क्या सरकार ने देश म कुष्ठ रोगियों की सामाजिक-आथिक स्थिति का पता लगाने के लिए कोई सवक्षण किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और निष्कष क्या है;

(ङ) क्या कुष्ठ रोगियों की दयनीय जीवन दशा को देखते हुए कुष्ठ रोगियों को नि:शुल्क दवाएं उपलब्ध कराने के साथ ही उनको किसी प्रकार की सहायता दी जा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) देश से कुष्ठ रोग के उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा क्या उपाए किए जा रहे ह?

□त्त□
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य □त्री (श्री □श्वि□□ □□□□ □□□)□

(क): भारत म कुष्ठ-रोधी दिवस प्रत्येक वष अथात् महात्मा-गांधी शहीदी दिवस, पर 30 जनवरी को मनाया जाता है क्योंकि गांधी जी कुष्ठ रोग के संबंध म अत्यधिक प्रतिबद्ध थे। कुष्ठ-रोधी दिवस के अयोजन

के लिए, कुष्ठ रोग से पीड़ित व्यक्तियों के विरूद्ध कलंक और विभेदीकरण को कम करने के उद्देश्य से, वष 2017 से स्पश कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान (एसएलएसी) आयोजित किया जा रहा है। स्पश कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान (एसएलएसी) के दौरान स्वास्थ्य विभाग के संबद्ध क्षेत्रों के सहयोग तथा समन्वय से समूचे देश म गांवों म राष्ट्र-व्यापी ग्राम सभाएं आयोजित की जा रही ह। कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों के विरूद्ध विभेदीकरण को कम करने के लिए जिला-मजिस्ट्रेटों की ओर से उपयुक्त संदेश तथा ग्राम सभा प्रमुखों (ग्राम परिषदों के प्रमुख) की ओर से अपील पढ़ी जा रही ह; समुदाय म रोग के भार को कम करने के लिए ग्राम सभा के सभी सदस्यों द्वारा शपथ ली जाती है तथा कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों को बधाई दी जाती है। गांव के समुदाय को इन बैठकों म भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा स्कूल के बच्चों को नाटकों तथा पोस्टरों आदि के माध्यम से बीमारी के बारे म जागरूकता फैलाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

वष 2021 म भी, राज्यों से 30 जनवरी को एसएलएसी (स्पश कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान) आयोजित करने का अनुरोध किया था। इस वष एसएलएसी का कद्र बिंदु शारीरिक अशक्तताओं को रोकने के उद्देश्य से पूरे उपचार का अनुसरण करते हुए कुष्ठ रोग के प्रारंभ म पता लगाए जाने के महत्व के बारे म समाज म जागरूकता पैदा करना था। इस वष एसएलएसी 30 जनवरी से 13 फरवरी तक संचालित किए गए थे।

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा एसएलएसी के दौरान निम्नलिखित कायकलाप निष्पादित किए गए थे:

1. ग्राम सभा प्रमुख/पंचायती राज संस्थानों के सदस्यों/चिकित्सा अधिकारियों की ओर से कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों के विरूद्ध कलंक तथा विभेदीकरण को दूर करने के लिए अपील की गई थी।
2. स्कूली बच्चों द्वारा नुक्कड़-नाटकों का आयोजन किया गया था। कुष्ठ रोग के बारे म शिक्षाप्रद संदेशों का प्रचार-प्रसार करने के लिए अन्य सांस्कृतिक कायक्रम आयोजित किए गए थे।
3. निरंतर पूछे जाने वाले प्रश्नों को शामिल करते हुए प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किए गए थे।
4. कुष्ठ रोग के बारे म सूचना, शिक्षा तथा संप्रेषण (आईईसी) को संवर्धित करने के लिए महत्वपूण संदेशों वाले बैनर तथा पोस्टर उच्च दृष्टिगोचर स्थानों पर प्रदर्शित किए गए थे।
5. कुष्ठ रोग से संबंधित संदेशों का प्रचार कुछ स्थानों पर जन-संबोधन प्रणालियों के माध्यम से भी किया गया था।
6. कद्रीय कुष्ठ रोग प्रभाग द्वारा कुष्ठ रोग पर तैयार की गई तीन लघु फिल्म (टीवीसी) बैठकों तथा एसएलएसी के दौरान आयोजित अन्य संगत भीड़-भाड़ म मल्टी-मीडिया यन्त्रों के माध्यम से चलाई गई थीं।
7. सामुदायिक सदस्यों द्वारा कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों के विरूद्ध विभेद न करने के लिए शपथ ली गई थी।
8. अनेक स्थानों पर अशक्तता निवारण तथा चिकित्सा पुनवास (डीपीएमआर) कायकलाप संचालित किए गए थे जहां कुष्ठ रोग से प्रभावित व्यक्तियों को स्वयं-परिचया किट, माइक्रोसेल्युलर रबड़ (एमसीआर) फुटवीयर आदि उपलब्ध कराए गए थे।
9. इसके अलावा, विश्व एनटीडी (निगलेक्टिड ट्रोपिकल डिज़ीज) दिवस, 2021 मनाने के संबंध म, कुतुब मीनार को वैश्विक कायकलाप के भाग के रूप म प्रदीप्त किया गया था। पूरे विश्व म 50 से अधिक स्मारकों को एनटीडी दिवस पर प्रदीप्त किया गया था। कुष्ठ रोग भारत म एनटीडी म से एक होती है। प्रदीप्त कुतुब मीनार पर, अन्य एनटीडी के साथ, कुष्ठ रोग से संबंधित बैनर भी प्रदर्शित किए गए थे।

(ख): भारत ने राष्ट्रीय कुष्ठ रोग उन्मूलन कायक्रम (एनएलईपी) के तहत कुष्ठ रोग नियंत्रण तथा उन्मूलन म विशाल सफलता प्राप्त की है। कुष्ठ रोग उन्मूलन अथात् <1 मामला/10,000 जनसंख्या दर वष 2005 म राष्ट्रीय स्तर पर प्राप्त की गयी थी। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार उप-राष्ट्रीय स्तर पर अथात् जिला स्तर तक, कुष्ठ रोग का उन्मूलन प्राप्त करने के लिए सतत रूप से कदम उठा रहा है। इस संबंध म समनुरूप प्रगति की जा रही है जो निम्नलिखित सारणी से सुस्पष्ट है:-

वित्तीय वष	1 □□□ व्य□प्त□□ वाले जिलों की □ख्□□
2016-17	554
2017-18	572
2018-19	588
2019-20	610

इसके अतिरिक्त, कुष्ठ रोग से संबंधित अन्य संकेतक भी समनुरूप सुधार दशा रहा है जो निम्नलिखित सारणी म देखा जा सकता है:-

वित्तीय वष	पीआर	बाल मामला प्रतिशतता	जी2डी%	जी2डी प्रति मिलियन
2014-15	0.69	9.04	4.61	4.48
2015-16	0.66	8.94	4.60	4.46
2016-17	0.66	8.69	3.82	3.89
2017-18	0.67	8.15	3.61	3.34
2018-19	0.62	7.67	3.05	2.65
2019-20	0.57	6.87	2.41	1.96

यह उल्लेख करना महत्वपूण है कि कुष्ठ रोग की दीघ-ऊष्मायन (इनक्यूबेशन) अवधि होती है और इसलिए कुष्ठ रोग उन्मूलन अतिविस्तृत प्रक्रिया हो जाती है। तथापि, भारत को कुष्ठ रोग मुक्त बनाने के लिए एनएलईपी के तहत सभी प्रयास किए जा रहे ह।

(ग): देश म कुष्ठ रोग के नए रोगियों की राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-वार संख्या अनुलग्नक म दी गई है।

(घ): देश म एनएलईपी के तहत कुष्ठ रोगियों की सामाजिक-आथिक स्थिति सुनिश्चित करने के लिए कोई सवक्षण नहीं किया गया है। तथापि, सभी सरकारी स्वास्थ्य परिचया सुविधा कद्रों पर सभी कुष्ठ रोगियों को नि:शुल्क नैदानिक तथा उपचारी सुविधाएं प्रदान की जाती ह। इसके अतिरिक्त एमसीआर फुटवीयर तथा डीपीएमआर सेवाओं सहित सभी सहायता तथा यंत्र कुष्ठ रोग से प्रभावित सभी जरूरतमंद व्यक्तियों को नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाते ह।

(ङ): गैर-जटिल कुष्ठ रोगियों का उपचार प्राथमिक स्वास्थ्य कद्र (पीएचसी) स्तर पर उपलब्ध है। कुष्ठ रोगियों के लिए समस्त उपचार सभी सरकारी स्वास्थ्य परिचया सुविधा कद्रों पर एनएलईपी के तहत सभी के लिए नि:शुल्क प्रदान किया जाता है। जटिल मामलों का उपचार जिला अस्पतालों तथा तृतीयक परिचया अस्पतालों म नि:शुल्क किया जाता है। कुष्ठ रोग के लिए चिकित्सा सेवाएं अन्य जनरल स्वास्थ्य सेवाओं से एकीकृत होती ह क्योंकि कुष्ठ रोग से पीड़ित रोगियों के साथ कोई भी विभेदीकरण जुड़ा नहीं होना चाहिए।

रीकन्स्ट्रेक्टिव सजरी (आरसीएस) सहित डीपीएमआर सेवाएं भी एनएलईपी के तहत उपलब्ध कराई जाती ह। आरसीएच का उपचार करा रहे प्रत्येक व्यक्ति को एनएलईपी के तहत 8000/-रु. का एक-बारगी कल्याण भत्ते का भी भुगतान किया जाता है।

(च): भारत सरकार कुष्ठ रोग मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्य से, सरकार ने अनेक पहल आरंभ की ह; जैसे (i) नियमित आधार पर कुष्ठ रोग के मामलों का पता लगाने को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से तथा ग्रेड-II अशक्तता को रोकने के उद्देश्य से प्रारंभिक चरण पर, ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों म सक्रिय मामला खोज तथा नियमित निगरानी; (ii) राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कायक्रम (आरबीएसके) के तहत तथा बच्चों (0-18 वष) की स्क्रीनिग के लिए राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कायक्रम (आरकेएसके) और आयुष्मान भारत के तहत विस्तृत प्राथमिक स्वास्थ्य परिचया पैकेज के तहत 30 वष की आयु से अधिक के लोगों की कुष्ठ रोग स्क्रीनिग के लिए अभिसारिता। इसके अतिरिक्त, अशक्तता उन्मूलन और चिकित्सा पुनवास (डीपीएमआर) कायक्रम अथात् प्रतिक्रिया प्रबंधन, एमसीआर फुटवीयर का प्रावधान, सहायता तथा उपकरण, जिला अस्पतालों और चिकित्सा कॉलेजों/कद्रीय कुष्ठ रोग संस्थानों म मामलों के प्रबंधन और रिकन्सट्रक्टिव सजरी के लिए रेफरल सेवाओं के अंतगत अनेक सेवाएं प्रदान की जा रही ह। अन्ततोगत्वा, प्रारंभिक मामला खोज और तत्पश्चात पूण उपचार का अनुपालन देश को कुष्ठ रोग मुक्त स्तर पर ले जाएगा।

कुष्ठ रोग के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-[illegible]

क्र. [illegible]	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	[illegible] 2017-18 [illegible]	[illegible] 2018-19 [illegible]	[illegible] 2019-20 [illegible]
1	आंध्र प्रदेश	4695	5294	4685
2	अरुणाचल प्रदेश	25	39	30
3	असम	987	940	850
4	बिहार	21353	17154	16595
5	छत्तीसगढ	10474	8322	8905
6	गोवा	108	92	79
7	गुजरात	6894	5218	4081
8	हरियाणा	443	447	398
9	हिमाचल प्रदेश	129	150	141
10	झारखंड	5230	4942	6160
11	जम्मू और कश्मीर	149	120	110
12	कनाटक	2892	2789	2724
13	केरल	520	705	675
14	मध्य प्रदेश	6523	6294	8020
15	महाराष्ट्र	16065	15299	16572
16	मणिपुर	24	22	21
17	मेघालय	16	13	17
18	मिजोरम	11	5	5
19	नगालड	38	35	36
20	ओडिशा	9576	10786	10077
21	पंजाब	509	495	531
22	राजस्थान	992	1088	1124
23	सिक्किम	21	13	19
24	तमिलनाडु	4277	4793	4252
25	तेलंगाना	2910	3545	4001
26	त्रिपुरा	32	26	73
27	उत्तर प्रदेश	19337	20951	15484
28	उत्तराखंड	310	318	320
29	पश्चिम बंगाल	9527	8185	6208
30	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	32	13	20
31	चंडीगढ़	128	149	134
32	दादरा एंड नागर हवेली	273	261	200
33	दमन और दीव	19	27	29
34	दिल्ली	1580	1769	1824
35	लक्षद्वीप	15	3	0
36	लद्दाख	उपलब्ध नहीं	उपलब्ध नहीं	2
37	पुदुचेरी	50	32	49
[illegible]		1,26,164	1,20,334	1,14,451